Rayat Shikshan Sanstha's

D. P. Bhosale College, Koregaon Dist-Satara

2021-2022

Department: Hindi

1. Smt.R.K.Mulla

3.4.2 *Awards and recognitions received for extension activities from government / government recognised bodies*				
Sr.No	Name of the activity	Name of the Award/ recognition	Name of the Awarding government/ government recognised bodies	Year of Award
1	Literary Award Ceremony	Senior Litterateur , National Sahitya Seva Samman	National Literary Service Association, Pune, Maharashtra and Poona College and Hindi Department	19/6/2022
2	Zero Mile Icon Award	Zero Mile Icon Award-2022 Education Gemstone Prize	Zero Mile National Hindi weekly newspaper, Nagpur, Maharashtra	15/05/2022
3	Avishkar Research Convention- 2021-22	First Rank in Avishkar Competition	Shivaji University Kolhapur	14/02/2022

2. Dr. S.H.Shaikh

3.4.2 Awards and recognitions received for extension activities from government / government recognised bodies				
Sr.No	Name of the activity	Name of the Award/ recognition	Name of the Awarding government/ government recognised bodies	Year of award
4	Literary Award Ceremony	Senior Litterateur , National Sahitya Seva Samman	National Literary Service Association, Pune, Maharashtra and Poona College and Hindi Department	19/6/2022

साप्ताहिक

जीरो माइल

Regd. with Registrar of News Papers for India Ministry of Information & Broadcasting

Regd. Add.: [illegible] Nagpur 440 025
E-mail: [illegible] • Mobile: [illegible]

अभिनंदन पत्र

Zero Mile Icon Award - 2022

जीरो माइल आइकन अवार्ड २०२२

प्रति,

श्रीमान/श्रीमती प्रा. राबन मुल्ला ------------
सांगली, महाराष्ट्र ------------

रविवार दि. १५ मई २०२२ को दिए जाने वाले **'जीरो माइल आइकन अवार्ड-२०२२'** के लिए आपका चयन हुआ है। आपका हम अभिनंदन करते हुए खुशी व्यक्त करते है।

महोदय,

१६ वर्षो से नियमित प्रकाशीत हो रहे **'जीरो माइल'** राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार का **१७ वे वर्ष में पदार्पण** हो रहा है। स्थापना दिन के अवसर पर होने जा रहे कार्यक्रम मे आप प्रमुख रूप से उपस्थित होकर **'जीरो माइल आइकन अवार्ड - २०२२'** ग्रहण कर हमें तथा कार्यक्रम को गौरान्वित करे।

धन्यवाद

आपका कृपाभिलाषी

कार्यक्रम का स्थान : होटल 'हेरिटेज'
ओल्ड वीसीए ग्राउंड के पास सिविल लाइंस,
नागपुर (महाराष्ट्र)

आनंद शर्मा
प्रबंध संपादक - जीरो माइल,
राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार
९८२२२१९२५०, ८८३०६१४९२७

दिनांक : रविवार दिनांक १५ मई २०२२
समय : सुबह ११.३० बजे

आपका सहयोग ही हमारी सफलता है।

'जीरो माइल'
Zero Mile
दि महाराष्ट्र स्टेट को-ऑप बैंक लिमिटेड, सिताबर्डी नागपुर
IFSC - MSCI0082055
करंट अकाउंट नंबर - ००५२१०७०४०००००४२३

आनंद शर्मा
बैंक ऑफ इंडिया, अजनी चौक, नागपुर
IFSC- DKID0008707
बैंक खाता क्र ८७००१०११०००१९६४

नोट : कार्यक्रम में प्रवेश के लिए निमंत्रण पत्र आवश्यक है। पुरस्कार प्राप्त महानुभाव के साथ अतिरिक्त कोई व्यक्ति आता है तो पूर्व जानकारी देना अनिवार्य रहेगा, अन्यथा प्रवेश नहीं मिलेगा। शासकीय नियमो के अनुसार सोशल डिस्टेंसिंग रखते हुए मास्क पहनकर आए।

'जीरो माइल' राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार

नागपुर, महाराष्ट्र
(RNI No. MAHHIN/2007/24681)

जीरो माइल आईकॉन अवार्ड-2022

सम्मान-पत्र

प्रा. राबन खुदाबक्ष मुल्ला (सांगली)

'जीरो माइल' राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार, नागपुर महाराष्ट्र की ओर से
उल्लेखनीय कार्य के योगदान पर आज रविवार दि. 15 मई 2022 को
होटल हॅरीटेज, नागपुर में
'जीरो माइल आईकॉन अवार्ड'-2022 (शिक्षा रत्न)
से आपको सम्मानित करते है।
आपके उज्वल भविष्य के लिए हमारी शुभकामनाएं।

V. Sharma

सौ. विद्या शर्मा
संपादक
जीरो माइल, अखबार

डॉ. आनंद शर्मा
मुख्य संपादक
जीरो माइल, अखबार

Zero Mile Icon Award Education Gemstone Prize

Zero Mile Icon Award Education Gemstone Prize

रयत शिक्षण संस्थेचे

डी. पी. भोसले कॉलेज, कोरेगाव

वार्षिक पारितोषिक वितरण समारंभ

दि. १८ जून २०२२

सन २०२१-२२ या शैक्षणिक वर्षात झिरो माइल राष्ट्रीय साप्ताहिक आणि झिरो माईल आयकॉन पुरस्कार-२०२२, नागपूर द्वारा

राष्ट्रीय शिक्षणरत्न पुरस्कार - २०२२

प्राप्त झाल्याबद्दल

!! सन्मानचिन्ह !!

प्रा. राबन मुल्ला

नागपूर : प्रा. राबन मुल्ला यांना राष्ट्रीय शिक्षणरत्न पुरस्काराने सन्मानित करताना रमेश बंग, विकास ठाकरे आदी.

राष्ट्रीय शिक्षणरत्न पुरस्काराने प्रा. राबन मुल्ला सन्मानित

कोरेगाव, ता. २५ : नागपूर येथील झिरो माईल फाउंडेशनच्या वतीने येथील डी. पी. भोसले महाविद्यालयाच्या हिंदी विभागप्रमुख प्रा. राबन मुल्ला यांना 'झिरो माईल आयकॉन-राष्ट्रीय शिक्षणरत्न पुरस्कार २०२२' ने सन्मानित करण्यात आले.

माजी मंत्री रमेश बंग, आमदार विकास ठाकरे आदींची यावेळी उपस्थिती होती. रयत शिक्षण संस्थेचे कार्याध्यक्ष डॉ. अनिल पाटील, सचिव डॉ. विठ्ठलराव शिवणकर, सहसचिव डॉ. शिवलिंग मेनकुदळे, प्राचार्य डॉ. विजयसिंह सावंत आदींनी प्रा. मुल्ला यांचे अभिनंदन केले.

जाहीर नोटीस

सम्मानपत्र

राष्ट्रीय साहित्य सेवा संस्था (पुणे, महाराष्ट्र)

एवं पूना कॉलेज तथा हिंदी विभाग के सौजन्य से

1970 - 2020

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं

"साहित्यिक पुरस्कार समारोह"

श्रीमान हजारीलाल कटरे

संस्थापक -
राष्ट्रीय साहित्य सेवा संस्था (पुणे)
आयोजक एवं कार्यक्रम संयोजक

प्रा. रावन खुदाबक्ष मुल्ला

वरिष्ठ साहित्यकार

श्रीमती दीपिका कटरे

सहआयोजक-
समाजसेविका, लेखिका एवं
कवयित्री, शिक्षिका

हिंदी साहित्य में सक्रिय योगदान हेतु आपको राष्ट्रीय साहित्य सेवा सम्मान देकर गौरवान्वित किया जाता है।

रविवार दि. 19/06/2022

राष्ट्रीय साहित्य सेवा संस्था , पुणे- महाराष्ट्र

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं साहित्यिक पुरस्कार समारोह 2022

दिनांक-10 मई 2022

पूना कॉलेज, हिंदी विभाग के सौजन्य से "राष्ट्रीय साहित्य सेवा संस्था ,पुणे- महाराष्ट्र" के तत्वावधान में "अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं राष्ट्रीय साहित्य सेवा पुरस्कार",समारोह का आयोजन 19 जून 2022 को किया गया है जिसमें हिंदी साहित्य में उल्लेखनीय कार्य करनेवाले वरिष्ठ साहित्यकारों को "राष्ट्रीय साहित्य सेवा सम्मान " प्रदान किया जाएगा।

1] पंजीकरण शुल्क 1000/- और एक पासपोर्ट फोटो और संक्षिप्त परिचय व्हाट्स अप नंबर 7083332258 पर भेजना अनिवार्य है।

2]पंजीकृत अध्यापकों ,प्राध्यापकों एव कवियों तथा साहित्यकारों को "राष्ट्रीय साहित्य सेवा सम्मान" प्रदान किया जाएगा। जिसमें स्मृति चिह्न एवं सम्मानपत्र दिया जाएगा।

3]पंजीकरण शुल्क जमा करने के लिए गूगल पे क्रमांक 7083332258 है। तथा शुल्क का स्क्रीन शॉर्ट व्हाट्स अप पर भेजना अनिवार्य है।

4] पुणे के बाहर से आनेवाले सभी पुरुस्कारथियों को आने-जाने एवं निवास की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

5] अधिक जानकारी हेतु संपर्क क्रमांक 9373463946 पर संपर्क कर सकते है।

आयोजक – श्रीमती.दीपिका कटरे

सब लेफ्टिनेंट डॉ मो. शाकिर शेख

हिंदी विभाग प्रमुख [पूना कॉलेज]

पुणे महराष्ट्र 411001

National Sahitya Seva Samman Senior Litterateur,

Shivaji University, Kolhapur
Avishkar Research Convention 2021-22
Rank Sheet

Level of Event: University

Host College/Department: Department of Computer Science, Shivaji University, Kolhapur

Participation Level: PPG

Discipline: Humanities, Languages, Fine Arts

Rank	Name of contestant	Name of college/University Department	Mobile	Title of the Project
1	Mrs. R. K. Mulla	D.P.Bhosale College, Koregaon (Id: C-11117)	7843018107	हिंदी साहित्य की सामाहिक उपादेयता
2	Shinde Brihaspati Haribhau	D. D. Shinde Sarkar College, Bhavani Mandap, Kolhapur (Id: C-11090)	9422620076	Exploration Of Art And Authenticity With Special Reference To Alice Walker's Womanism In The Color Purple

Place: Kolhapur

Date: 14/02/2022

Signature of the Coordinator

Dr. Kabir G. Kharade

Department of Computer Science

Head of University Department with seal

Prof. (Dr.) R. K. Kamat
Head
Department of Computer Science
Shivaji University, Kolhapur-416004

First Rank in Avishkar Competition Shivaji University Koljapur

हिंदी साहित्य की सामाजिक उपादेयता

भूमिका –

साहित्य व्यापक शब्द है.इसकी व्याप्ति मानवीय जीवन से अर्थात व्यक्ति से लेकर समाज में दिखाई देती है.साहित्य,संस्कृति और समाज का अंतस् और बाह्य रूप से गहरा सबंध रहता है.समाज संगठन से बनता है, जिसकी अभिव्यक्ति साहित्य में होने पर समाज इसका अभिन्न अंग बन जाता है.एक स्वस्थ समाज निर्माण होने के लिए एक अच्छे समृद्ध साहित्य की आवश्यकता होती है; क्योंकि साहित्य में अच्छे समाज की परिकल्पना रहती है.साहित्य किसी भी भाषा का हो,उसमें सामाजिक और मानवहित निहित होता है.

विषय का महत्व-

निम्नलिखित बिन्दुओं से हम साहित्य की सामाजिक उपादेयता को समझ सकते है-

- साहित्य समाज का दर्पण है.
- साहित्य में मानव जीवन निहित रहता है.
- साहित्य में समाज जीवन का प्रतिबिंब रहता है.
- साहित्य समाज को संगठित कर उसे एक नई दिशा प्रदान करता है..
- समाज की विविध प्रकार की गतिविधियों का चित्रण साहित्य में होता है .
- साहित्य ने समाज में सदैव मनुष्य के भावों-विचारों एवं कलाओं की अभिव्यक्ति की है.
- देश,समाज,जाति तथा विश्व की उन्नति में साहित्य का महत्त्वपूर्ण योगदान रहता है.
- साहित्य समाज की समीक्षा करता है.
- साहित्य में समाज परिवर्तन की क्षमता होती है.

इसतरह साहित्य की उपज समाज की देन होती है इसलिए साहित्य की सामाजिक उपादेयता को निर्विवाद रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए.

उद्देश्य –

प्रस्तुत शोध प्रक्रिया में इसी विषय को आधार बनाकर हिंदी साहित्य की सामाजिक उपादेयता को निम्न बिन्दुओं में विश्लेषित कर पाठक के मन में साहित्य के प्रति रूचि बढ़ाने हेतु और समृद्ध समाज के लिए साहित्य की महत्ता को उजागर करने का मै यहाँ एक छोटा-सा प्रयास कर रही हूँ.

- स्वस्थ समाज रचना के लिए श्रेष्ठ साहित्य की महत्ता
- .हिंदी साहित्य की सामाजिक उपादेयता -
- हिंदी पौराणिक धर्मग्रंथों का समाज जीवन पर प्रभाव
- आजादी की लड़ाई में हिंदी साहित्य की भूमिका
- हिंदी साहित्य के कालविभाजन के अनुसार हिंदी रचनाओं का योगदान
- हिंदी साहित्य के नये विविध आयाम

निष्कर्ष:-

इसतरह हिंदी साहित्य ने सदियों से समाज जीवन के लिए अपना योगदान दिया है और हमारे हिंदी साहित्यकारों ने अपने साहित्य में 'सत्यम् शिवम् और सुन्दरम्' की कलात्मक तथा भावात्मक अभिव्यक्ति कर समाज को एक नई दिशा प्रदान की है.

हिंदी मे रोजगार के विविध अवसर

प्रस्तावना :

हिंदी भारत की प्रमुख भाषा है. इसे भारत की राजभाषा के रूप मे मान्यता प्राप्त है. हिंदी सदियो से संपर्क भाषा नहीं है. इस भाषा में समृद्ध साहित्य भी विद्यमान है.लगबग 1000 पुराना किस भाषा का साहित्य है. हिंदी केवल साहित्य की ही भाषा नही हे,अपितु राजकीय कामकाज की भी भाषा है अंत मे रोजगार के विविध अवसर कई क्षेत्र में उपलब्ध हे. हिंदी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा रोजगार उपलब्धि प्राप्त हो सकती है. हिंदी भाषा में वह क्षमता है हिंदी में हम रोजी रोटी कम सकते है. अपना खुद का करियर बना सकते हैं.देश-विदेश में भी हम रोजगार प्राप्त कर संवाद कर सकते है.

विषय का महत्व –

हिंदी भाषा का ज्ञान आत्मसात करने पर हम आज कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं. जो व्यक्ति सृजनात्मक लेखन क्र सकती है वह बहुमाध्यम के क्षेत्र में आसानी से रोजगार प्राप्त कर सकता है. वह एक अच्छा अनुवादक, गीतकार, नाटककार, एकांकीकार , समालोचक, अनुसंधान अधिकारी, राजभाषा अधिकारी, निवेदक, हिंदी अधिकारी, भाषा निदेशक तथा सूत्रसंचालक बन सकता है.साथ ही पत्रकारिता लेखन कर संपादक बन सकता है. विज्ञापन में अपना करियर क्र सकता है.

उद्देश्य –

इस बात से अवगत करने हेतू प्रस्तुत शोध पत्र पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से व्यक्त किया जा रहा है. हिंदी के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र मे रोजगार उपलब्धि होती है. साहित्य क्षेत्र के में भी रोजगार उपलब्धी होती है. हिंदी राजभाषा होने के कारण भारत के विभिन्न कार्यालय मे भी हिंदी का प्रयोग होता रहा है. क्षेत्र के साथ बॅंक बिमा क्षेत्र अनुवाद साधिके क्षेत्र मे भी हिंदी रोजगार उपलब्धी का माध्यम है. प्रस्तुत शोध प्रपत्र मे उपरोक्त रोजगार उपलब्धि के खतरो का परिचय दिया गया है!

निष्कर्ष :

विश्व मे आज वही भाषा समृद्ध एंव संपन्न मानी जाती है.जो मनुष्य के विचारो की अभिव्यक्ती के साथ उसे रोजगार प्राप्ती और रोजीरोटी कमाने के लिए सहाय्यता करती है. हिंदी भारत के साथ वैश्विक स्तर पर रोजगार प्राप्ति के लिए समृद्ध संपन्न एंव भाषा के रूप मे विकसित हुई है. हिंदी भाषा के कुत्ते पर आज विभिन्न जगह पर लाखो रोजगार का सजन प्रतिवर्ष होता है, और हिंदी भाषा का वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार के कारण दिनो दिन इस मे बडो तरी हो रही है. तथा भारतीय संविधान में उसे राजभाषा के रूप में स्वीकृत कर विभिन्न रोजगार ओ का सजन किया है. हिंदी के पेपर मे मिलने वाले रोजगार को की जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करेंगे हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर मिलते है. उसकी जानकारी इस शोध पत्र के माध्यम से देने का प्रयास किया है.

Rayat Shikshan Sanstha's,

D. P. Bhosale College, Koregaon

Department of Hindi

Shivaji University Kolhapur Central Youth festival 2021-22

In the 41st intermediate Youth festival, the 'trophy of wangmay' department was received (2021-22)

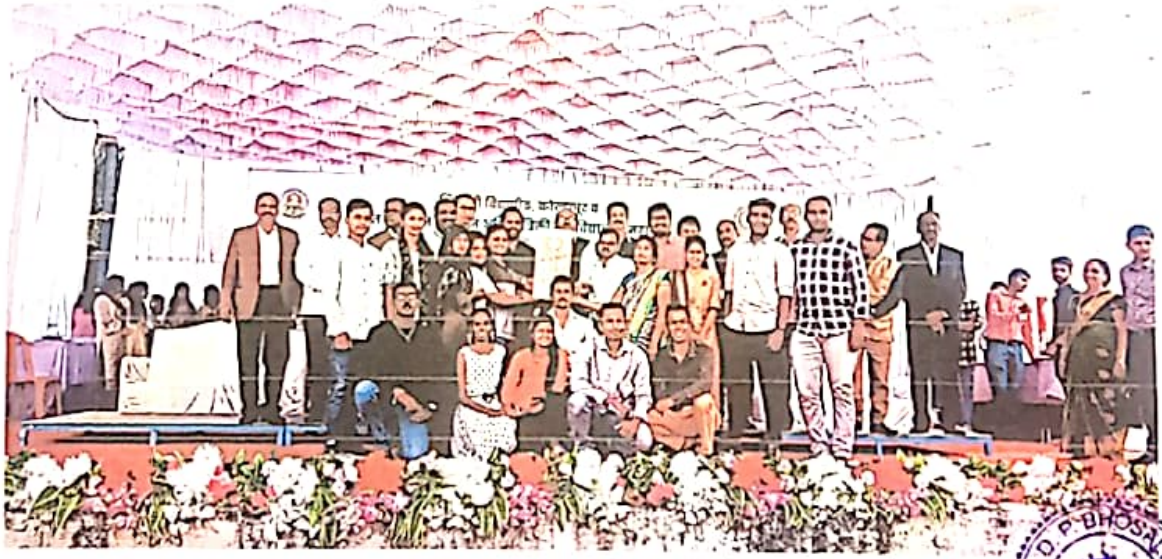

D. P. BHOSALE COLLEGE KOREGAON

In the 41st intermediate Youth festival, the 'trophy of wangmay' department was received (2021-22)